Dr. Vandana Suman
Associate professor
Dept. of Philosophy
H. D. Jain College, Ara
UG: Sem – II
MJC – 2 : Scientific Method
वैज्ञानिक आगमन

"वैज्ञानिक आगमन"

वैज्ञानिक आगमन वह है जिसमें हम प्रकृति की समरूपता और कार्य-कारण के नियमों के आधार पर कुछ निरीक्षित उदाहरण विशेषों से पूर्ण व्यापी वास्तविक वाक्यों की स्थापना करते हैं।

जैसे — Ram is mortal
Mohan is mortal
∴ All men are mortal

वैज्ञानिक आगमन की अनेक विशेषताएँ हैं — वैज्ञानिक आगमन में:

(1) पूर्णव्यापी वास्तविक वाक्यों की रचना की जाती है। जैसे — All men are mortal. अब इस प्रथम लक्षण का यदि हम विश्लेषण करें तो इसमें तीन बातें पायी जाती हैं, अर्थात

(क) यह तार्किक वाक्य की स्थापना करता है। तार्किक वाक्य वह है जिसमें दो पदों के बीच के सम्बन्ध को स्पष्ट रूप से दिखाया जाता है, जैसे All men are mortal, यहाँ Man और Mortal के बीच में भावात्मक सम्बन्ध को स्पष्ट रूप से दिखाया गया है। परन्तु प्रत्यय या जातिभाव में जैसे (मनुष्य पद) के सार गुण (पशुता, और विवेकशीलता) के बीच के भावात्मक सम्बन्ध को नहीं दिखाया गया है। अतः वाक्य में

FEBRUARY 2013
MO TU WE TH FR SA SU
1 2 3
4 5 6 7 8 9 10
11 12 13 14 15 16 17
18 19 20 21 22 23 24
25 26 27 28

लगता और जातिभावना में अव्यक्त सम्बन्ध रहता है। वैज्ञानिक आगमन का काम सार्वभौमिक वाक्य के द्वारा प्रकट किया जाता है।

(ख) यह पूर्णव्यापी तार्किक वाक्य है। वाक्य दो प्रकार के होते हैं — (i) अंशव्यापी - Some men are mortal

(ii) पूर्णव्यापी - All men are mortal.

(i) अंशव्यापी वाक्यों की रचना के लिए ही अनुमान की आवश्यकता नहीं होती और न इनसे वैज्ञानिक ज्ञानभण्डार ही भरा जा सकता है 'कुछ' के विषय में ज्ञान हमें साक्षात अनुभव के द्वारा हो जाता है। जैसे — 'कुछ' मनुष्य इमानदार है। इसलिए अंशव्यापी वाक्यों की स्थापना के लिए आगमन की आवश्यकता नहीं होती है।

(ii) जिस वाक्य में विधेय सम्पूर्ण उद्देश्य का ज्ञान होता है उसे पूर्णव्यापी वाक्य कहते हैं। जैसे - All men are mortal. ऐसे वाक्यों का ज्ञान हमें अनुभव के द्वारा नहीं हो सकता है क्योंकि 'कुछ' मनुष्यों को हम मरते हुए देख सकते हैं। सबों को नहीं। सबों के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त करने के लिए आगमन की आवश्यकता होती है। वैज्ञानिक आगमन का निष्कर्ष पूर्णव्यापी वाक्य

DECEMBER 2012

Wk	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa	Su
49/54	31					1	2
50	3	4	5	6	7	8	9
51	10	11	12	13	14	15	16
52	17	18	19	20	21	22	23

होता है जैसे ~~सभी ...~~
पदार्थ बिना सहारे के पृथ्वी पर गिरते हैं।
(ग) यह वास्तविक पूर्णव्यापी
तार्किक वाक्य है। पूर्णव्यापी वाक्य भी दो प्रकार के होते हैं।

(1) शाब्दिक (2) वास्तविक
(Verbal) (Real)

1. शाब्दिक वाक्य वे हैं जिनके उद्देश्य की गुणवाचकता को विधेय में हम पूर्णतया या अपूर्णतया दुहराते हैं। इसलिए शाब्दिक वाक्य में ज्ञान का संचय नहीं होता है।

परन्तु विज्ञान प्रगतिशील है। अतः वैज्ञानिक आगमन में वास्तविक वाक्यों की ही स्थापना की जाती है। वास्तविक वाक्य वे हैं जिनमें विधेय उन गुणों का उल्लेख करता है जो उद्देश्य की गुणवाचकता में नहीं आता है और इसलिए इनमें नवीनता पायी जाती है वैज्ञानिक आगमन में वास्तविक पूर्णव्यापी वाक्यों की ही रचना होती है।
जैसे — All men are mortal.

यह उदाहरण विशेषों के निरीक्षण पर निर्भर करता है। वैज्ञानिक आगमन में वास्तविक सत्यता की स्थापना हम निरीक्षण और प्रयोग के आधार पर करते हैं।
जैसे — (i) एनोफिलस मच्छर के काटने से मलेरिया होता है। (ii) मलेरिया कुनैन के सेवन ...

(3) वैज्ञानिक आगमन में निरीक्षण के बाद आगमनात्मक छलांग ली जाती है। आगमन में हम कुछ विशेष उदाहरणों के निरीक्षण के आधार पर सामान्य वाक्य की स्थापना करते हैं तथा मान लेते हैं कि जो बात कुछ निरीक्षित घटनाओं के सम्बन्ध में सत्य है वह इस प्रकार की सभी घटनाओं के लिए सत्य होगी। अर्थात आगमन में हम 'ज्ञात' से 'अज्ञात' की ओर या 'कुछ' से 'सब' की ओर जाते हैं। इसे ही हम आगमनात्मक छलांग कहते हैं। जैसे —

Ram is mortal.
Mohan is mortal.
∴ All men are mortal.

इसलिए बेन और Mill ने ऐसी छलांग को 'आगमन' का 'प्राण' कहा है। इसी छलांग के कारण इसतरह का अनुमान आगमनात्मक कहा जाता है। वर्तमान भूत और भविष्य के लिए भी इसका निष्कर्ष सत्य होता है।

(4) वैज्ञानिक आगमन प्राकृतिक समरूपता नियम और कार्यकारण के नियम पर आधारित रहता है —

प्राकृतिक समरूपता के अनुसार सभी वस्तुएँ एक ही परिस्थिति में एक समान काम करती हैं। यदि आगन ईमा...

DECEMBER 2012
WK MO TU WE TH FR
49/54 31
50 3 4 5 6 7
51 10 11 12 13 14
52 17 18 19 20 21

हाथ को कभी कोई गर्मी जलाती है तो वैसी परिस्थिति में यह लोगों के हाथ को जलाएगी। प्राकृतिक समरूपता के आधार पर हम 'कुछ' से 'सब' की ओर छलांग मार सकते हैं परन्तु यह छलांग सही भी हो सकती है और गलत भी इसका सामान्यीकरण तभी सर्वत्र सही हो सकता है जब इनके बीच कारण - कार्य का आधार रहे। क्योंकि बिना कारण के कोई भी कार्य नहीं होता है।

जैसे - (i) सूरज के उपस्थित होने से ही धूप उत्पन्न होता है अर्थात सूरज और धूप में कार्य-कारण का सम्बन्ध है।

(ii) इसी तरह का सम्बन्ध मनुष्य और 'मरणशीलता' में है। जैसे - मनुष्य होना ही मर जाने का कारण है तो हम कह सकते हैं कि सभी मनुष्य मरणशील है।

नये सत्य की स्थापना Mill के अनुसार वैज्ञानिक आगमन में ज्ञात के आधार पर अज्ञात के संबंध में और कुछ के आधार पर 'सब' के सम्बन्ध में नया ज्ञान प्राप्त होता है।

वैज्ञानिक आगमन के यही सब लक्षण है।